सामाजिक विज्ञान

कक्षा 7

(सामाजिक और राजनीतिक जीवन)

अध्याय 2: स्वास्थ्य में सरकार की भूमिका

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. इस अध्याय में आपने पढ़ा है कि स्वास्थ्य में सिर्फ़ बीमारी की बात नहीं की जा सकती है। संविधान से लिए गए एक अंश को यहाँ पढ़िए और अपने शब्दों में समझाइए कि 'जीवन का स्तर' और 'सार्वजनिक स्वास्थ्य' के क्या मायने होंगे।

उत्तर: संविधान में कहा गया है कि देश के सभी नागरिकों को एक उचित जीवन स्तर और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुविधा मिलनी चाहिए। इसका मतलब यह है कि केवल बीमार न होना ही स्वास्थ्य नहीं है, बल्कि लोगों को स्वच्छ पानी, पोषक भोजन, साफ-सफाई, अच्छा आवास, शिक्षा और इलाज की सुविधा भी मिलनी चाहिए।

- जीवन का स्तर यानी व्यक्ति के रहने, खाने, पढ़ने और इलाज जैसी बुनियादी ज़रूरतों की गुणवत्ता।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य यानी पूरे समाज के लिए ऐसी सुविधाएं हों जिससे लोग बीमार ही न पड़ें — जैसे टीकाकरण, स्वच्छता अभियान, अस्पताल, सफाई कर्मचारी, साफ पानी आदि।

प्रश्न 2. सबके लिए स्वास्थ्य की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए सरकार कौन-कौन से कदम उठा सकती है? चर्चा कीजिए।

उत्तर: सबके लिए स्वास्थ्य की सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए सरकार निम्नलिखित कदम उठा सकती है:

1. सरकारी अस्पताल और क्लीनिक बनवाना ताकि गरीब और ग्रामीण इलाकों के लोग भी इलाज करा सकें।
2. मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं शुरू करना ताकि दूर-दराज़ के गांवों तक डॉक्टर और दवाइयाँ पहुँच सकें।
3. टीकाकरण अभियान चलाना ताकि बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके।
4. स्वच्छता और साफ पानी की व्यवस्था करना ताकि बीमारी फैलने से रोकी जा सके।
5. स्वास्थ्य शिक्षा देना ताकि लोग बीमारी से बचाव और साफ-सफाई के महत्व को समझें।
6. मुफ़्त दवाइयाँ और जांच सुविधाएँ देना।

MUKUTclasses

प्रश्न 3. आपको, अपने इलाके में उपलब्ध सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य सेवाओं में क्या-क्या अंतर देखने को मिलते हैं? नीचे दी गई तालिका को भरते हुए, इनकी तुलना कीजिए और अंतर बताइए।

सुविधा	सामर्थ्य	उपलब्धता	गुणवत्ता
निजी			
सार्वजनिक			

उत्तर:

सुविधा	सामर्थ्य	उपलब्धता	गुणवत्ता
निजी	इलाज महंगी होता है, हर कोई नहीं ले सकता	अपॉइंटमेंट जल्दी और आसानी से मिलती है	इलाज तेज़ और सुविधाजनक होता है
सार्वजनिक	मुफ़्त या बहुत कम दाम में इलाज उपलब्ध	डॉक्टर मिलने में समय लगता है, भीड़ ज़्यादा होती है	डॉक्टर योग्य होते हैं, पर सुविधाओं की कमी हो सकती है

प्रश्न 4. पानी और साफ़-सफ़ाई की गुणवत्ता को सुधारकर अनेक बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है। उदाहरण देते हुए इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: यह कथन बिल्कुल सही है कि पानी और साफ़-सफ़ाई की गुणवत्ता को सुधारकर अनेक बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है। गंदा पानी और गंदी जगह बीमारियों के सबसे बड़े कारण होते हैं। अगर हम साफ पानी पिएँ और अपने आसपास की सफाई का ध्यान रखें, तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

उदाहरण:

1. हैजा (Cholera) और टाइफाइड (Typhoid) जैसी बीमारियाँ गंदा पानी पीने से होती हैं। अगर हम पानी को उबालकर या फ़िल्टर करके पिएँ, तो इन बीमारियों से बच सकते हैं।
2. डेंगू और मलेरिया जैसे रोग गंदे पानी में पनपने वाले मच्छरों से होते हैं। अगर हम आसपास पानी जमा न होने दें और सफाई रखें, तो मच्छरों को पनपने से रोका जा सकता है।
3. डायरीया जैसी बीमारी भी गंदगी और गंदे हाथों से खाने की चीज़ें छूने से फैलती है। हाथ धोने की आदत और साफ़-सफ़ाई से इसे रोका जा सकता है।

निष्कर्ष: साफ पानी और स्वच्छ वातावरण लोगों को स्वस्थ रखने में बहुत मदद करता है और सरकार के साथ-साथ नागरिकों की भी ज़िम्मेदारी है कि वे स्वच्छता का ध्यान रखें।

MUKUTclasses